

२०/२५

पत्रावली पेश हुई। पार्थी व वकील पार्थी उपस्थित नहीं। इनके अनुपस्थिति रहने के कारण प्रार्थना-पत्र से संबंधित मूल दावा अदालत में खारिज हो चुका है। जिससे यह प्रार्थना-पत्र भी अब भागे-चलने योग्य नहीं है।

अतः यह प्रार्थना-पत्र भी इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली निर्णय में शुमार की जावे तथा तदनुसार तकमिल की जाकर दफ्तर की जावे।

*Dayendip*